दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, बुधवार 19 जून 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 262

महत्वपूर्ण एवं खास

पटना एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की मिली धमकी, सहम गए लोग

नई दिल्ली (आरएनएस)। पटना एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। जानकारी के अनुसार ये धमकी ईमेल के जरिए दी गई है। धमकी मिलने के बाद एयरपोर्ट पर हडक़ंप मच गया और तुरंत ही अधिकारियों की आपात बैठक बुलायी गई। जिसके बाद एयरपोर्ट प्रशासन हाई अलर्ट मोड पर है। पुलिस और सीआईएसएफ की टीम पटना एयरपोर्ट पर सर्च ऑपरेशन चला रही है। इसके साथ बम स्क्वायड की टीम भी वहां पर पहुंच चुकी है। एयरपोर्ट पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा लेकिन अभी तक कोई भी बम या अन्य कोई संदिग्ध सामान बरामद नहीं किया गया है। साइबर सेल और अन्य जांच एजेंसी मामले की जांच में लगी हुई है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर दुबई जाने वाली फ्लाइट में बम की धमकी, ईमेल से मिला मैसेज; मचा हड़कंप

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली हवाई अड्डा पर सुबह दुबई जाने वाली फ्लाइट में बम होने की सूचना से हडक़ंप मच गया। सुबह 9.35 आईजीआई एयरपोर्ट के डायल कार्यालय में एक ईमेल भेजकर दिल्ली से दुबई जाने वाली फ्लाइट में बम होने की धमकी दी गई थी। सूचना के बाद एयरपोर्ट पर अलर्ट जारी किया गया। सुरक्षा एजेंसी और बम निरोधक दस्ता ने विमान की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस मामला दर्ज कर मेल भेजने वाले की पहचान करने में जुट गई है।

रील्स बनाने के चक्कर में ब्रेक लगाना भूली लड़की, खाई में गिरी कार, मौत

मुंबई (आरएनएस)। सोशल मीडिया पर रील्स बनाने के चक्कर में कई बार जानलेवा हादसे हो जाते हैं। ताजा घटनाक्रम में एक लडक़ी कार ड्राइव करते समय रील्स बनाने के चक्कर में कार समेत खाई में गिर गई और उसकी मौके पर मौत हो गई। घटना औरंगाबाद जिले के सुलीभंजन का है। लडक़ी की पहचान 23 साल की श्वेता दीपक सुरवासे के रूप में हुई है। खाई में गिरने से कुछ सेकेंड पहले का वीडियो भी सामने आया है। श्वेता रील बनाने के चक्कर में ब्रेक लगाना भूल गई और ब्रेक की जगह एक्सीलेटर दबा दिया। उल्लेखनीय है कि सुलीभंजन में दत्त मंदिर का क्षेत्र मनोरम है, बरसात के मौसम में यह प्रकृति के साथ और अधिक खुल जाता है।इसलिए भक्त और पर्यटक बड़ी संख्या में आते हैं।

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का वीडियो कॉल वायरल, पाकिस्तानी डॉन भट्टी को दे रहा ईद की बधाई

जालंधर (आरएनएस)। कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का वीडियो कॉल वायरल हो गया है। इसमें वह पाकिस्तान के कुख्यात माफिया डॉन शहजाद भट्टी से बात करता नजर आ रहा है। लॉरेंस भट्टी को ईद की बधाई दे रहा है। जिसके बाद माना जा रहा है कि यह वीडियो 16 जून का है। हालांकि, इस बारे में अभी तक पुलिस की ओर से कोई औपचारिक बयान नहीं आया है। लॉरेंस फिलहाल गुजरात की जेल में बंद है। ऐसे में उसकी वीडियो कॉल से एजेंसियां भी सतर्क हो गई हैं। लॉरेंस जिस कुख्यात माफिया डॉन शहजाद भट्टी से बात कर रहा है, उसका नाम पाकिस्तान में हत्या, भू-माफिया, हथियार तस्करी समेत कई संगीन मामलों में दर्ज है।

डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में आत्मनिर्भर बन रहा भारत, एचएएल को मिला नया ऑर्डर

नई दिल्ली । आरएनएस

भारत की डिफेंस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को रक्षा मंत्रालय की ओर से 156 लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर का ऑर्डर मिला है। नया ऑर्डर मिलने के साथ ही एचएएल के शेयर में 5 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखी जा रही है और दोपहर 12 बजे यह 5,470 रुपये पर था।

एचएएल द्वारा रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा गया कि कंपनी को रक्षा मंत्रालय की ओर से 156 लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरपीएफ) मिला है। 156 में से 90 हेलीकॉप्टर भारतीय सेना और 66 हेलीकॉप्टर भारतीय वायु सेना के लिए हैं।

बता दें, आरपीएफ एक दस्तावेज होता है जिसमें किसी भी सरकार या कंपनी द्वारा अपनी आवश्यकताओं को बताया जाता है। इसमें सामान खरीदने के प्रोसेस, टाइमलाइन, नियम और शर्तों की जानकारी होती है। माना जा रहा है कि ये टेंडर 45,000 से 50,000 करोड़ रुपये का हो सकता है।

156 लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर खरीदने का प्रस्ताव एचएएल को दिया जाना, डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में आत्मनिर्भर बनने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नई सरकार बनने के बाद कार्यभार संभालते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा उद्देश्य देश की सुरक्षा को मजबूत करना है। साथ ही रक्षा जरूरतों में आत्मनिर्भरता हासिल करना है।

156 लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर का नया ऑर्डर मिलने से पहले एचएएल के पास 38,561 करोड़ रुपये की ऑर्डर बुक थी। हाल ही में भारत और अमेरिका के बीच एडवांस जीई इंजन बनाने को लेकर समझौता हुआ है। ये इंजन एचएएल की ओर से बनाए जाएंगे।

भारत में डिफेंस इंडस्ट्री तेजी से विकसित हो रही है। एक अन्य सरकारी डिफेंस कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) की ऑर्डर बुक 75,934 करोड़ रुपये की है। एलएंडटी, जो कि डिफेंस क्षेत्र में भी कारोबार करती है, उसकी ऑर्डर बुक 94,000 करोड़ रुपये की है।

बिहार : अररिया में बकरा नदी पर बना 100 मीटर का पुल उद्घाटन से पहले ही गिरा

अररिया । आरएनएस

बिहार के अररिया में बकरा नदी पर बना 100 मीटर का पुल मंगलवार को टूटकर नदी में बह गया। पुल का आने वाले दिनों में उद्घाटन किया जाना था।पुल को 12 करोड़ रुपये की लागत से सिकटी प्रखंड क्षेत्र के पड़रिया घाट पर बनाया गया था। यह पूरी तरह से बना भी नहीं था।पुल के गिरने का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें पुल 2 हिस्सों में बंटा नजर आ रहा है।

जानकारी के मुताबिक, सिकटी विधायक विजय मंडल ने बताया कि पुल को ग्रामीण विकास कार्य विभाग की ओर से बनाया जा रहा था।पुल के समानांतर सडक़ नहीं बनी थी और इसके खंभों को जमीन पर गाडक़र खड़ा किया गया था। घटना के बाद एजेंसी के अधिकारी और प्रशासन के लोग मौके पर पहुंच गए हैं। मामले की जांच शुरू हो गई है। बता दें, इससे पहले सुपौल और भागलपुर में भी नदी पर बना पुल गिर चुका है।

केदारनाथ यात्रा मार्ग पर बना कच्चा ढाबा टूटा, सात तीर्थ यात्री घायल

रुद्रप्रयाग । आरएनएस

उत्तराखंड स्थित भगवान शंकर के ग्यारहवें ज्योर्तिलिंग श्री केदारनाथ के पैदल यात्रा मार्ग पर सोमवार देर शाम एक कच्चा ढाबा अकस्मात टूटने से उसमें खाना खाते तीर्थयात्री ढाबे के मलवे में दब गए। राहत दलों ने मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला उपचार के लिए चिकित्सालय भेजा है।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने मंगलवार को बताया कि केदारनाथ धाम की यात्रा पर पहुंचे सोनीपत (हरियाणा) निवासी समीर द्वारा देर रात आपदा कंट्रोल प्रबंधन को सूचित किया गया कि यात्रा पड़ाव मीठा पानी के समीप एक कच्ची दुकान (ढाबा) अचानक टूट गई है। सूचना मिलते ही डीडीआरएफ की टीम तुरंत मौके पर पहुंची तथा दुकान के अंदर मलबे में दबे सभी घायल व्यक्तियों को एमआरपी, गौरीकुंड लाई। जहाँ डॉक्टरों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद उक्त घायल व्यक्तियों को टीम द्वारा एम्बुलेंस के माध्यम से हायर सेंटर भेज दिया गया है।

रजवार ने बताया कि हादसे में निकान्त यादव (14) पुत्र शिव सिंह यादव, रीना यादव (36) पत्नी शिव सिंह यादव, रेखा यादव (35) पत्नी प्रताप सिंह, आराध्य यादव (13) पुत्र प्रताप सिंह, श्रेयांश पुत्र (13) प्रताप सिंह, कार्तिक यादव (09) पुत्र शिव सिंह, सभी निवासी मध्य प्रदेश के ग्वालियर के रहने वाले हैं और उज्ज्वल भाटिया फरीदाबाद (हरियाणा) को घायल अवस्था में हायर सेंटर भेजा गया है।

815 साल का लंबा इंतजार होगा खत्म, आज नालंदा विश्वविद्यालय के परिसर का उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी

नालंदा । आरएनएस

बिहार का नालंदा विश्वविद्यालय, प्राचीन शिक्षा का ऐसा केंद्र जिसको आक्रांताओं ने तबाह तो कर दिया था लेकिन, शिक्षा का यह केंद्र एक बार फिर से जनसेवा के लिए, शिक्षा के विश्वव्यापी प्रसार के लिए तैयार खड़ा है। 815 साल बाद नालंदा एक बार फिर से पूरी दुनिया में शिक्षा की अलख जगाने और इतिहास रचने के लिए उठ खड़ा हुआ है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राजगीर और प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय का दौरा होने वाला है।

इसको लेकर एसपीजी ने दोनों स्थलों पर अपनी कमान संभाल ली है। प्रधानमंत्री के आगमन से पहले यहां की तैयारियों का जायजा लिया गया। इस दौरान नालंदा विश्वविद्यालय परिसर में एसपीजी द्वारा उच्च अधिकारियों के साथ एक विशेष बैठक भी की गई। बैठक में सुरक्षा के हर पहलू पर विचार-विमर्श किया गया और कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए कई आवश्यक निर्देश भी दिए गए।

19 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नालंदा विश्वविद्यालय के नेट जीरो परिसर का शुभारंभ करने वाले हैं, जो 455 एकड़ में 1749 करोड़ की लागत से बनकर तैयार हुआ है। साथ ही, प्रधानमंत्री प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के भग्नावशेष का अवलोकन भी करेंगे और नालंदा विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण करेंगे।

प्रधानमंत्री के साथ भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, नालंदा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति अरविंद पनगढिय़ा भी मौजूद रहेंगे। इस दौरान नालंदा विश्वविद्यालय के स्थापना में अहम योगदान देने वाले कुल 17 देशों के राजदूत भी शामिल होंगे। नालंदा विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे कई देशों के छात्र-छात्राएं भी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे।

कुलपति प्रोफेसर अभय कुमार सिंह ने बताया कि भारत को विश्व गुरु बनाने का जो हमारा लक्ष्य है, उसके प्रति यह एक और महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना से नालंदा के गौरवशाली अतीत को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया गया है। इस परिसर में विगत सत्र में 26 देशों के बच्चे अध्ययन कर रहे थे, जिनमें उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका, अफ्रीका, दक्षिण एशिया, और मध्य एशिया के देशों के छात्र शामिल हैं। यह पवित्र भूमि है, शांति और ज्ञान की भूमि है।

रेलवे ने बताया आखिर किस की वजह से हुआ कंचनजंगा रेल हादसा

नई दिल्ली । आरएनएस

पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग जिले के रानीडांगा में जीएफसीजे कंटेनर मालगाड़ी के लोको पायलट ने सिग्नल को पार करते समय ट्रेनों के लिए निर्धारित गति के नियमों का पालन नहीं किया, जिसके कारण रेल हादसा हुआ।

रेलवे के सूत्रों ने मंगलवार को यहां बताया कि ऐसा लगता है कि जीएफसीजे कंटेनर मालगाड़ी के लोको पायलट (ट्रेन चालक) ने लाल सिग्नल से पहले रुकने के लिए निर्धारित शर्तों और 15 किलोमीटर प्रति घंटे की गति सीमा का पालन नहीं किया और बहुत अधिक गति से आगे बढ़ रहा था, जिसके कारण यह हादसा हुआ। सूत्रों ने बताया कि संयोग से जीएफसीजे कंटेनर मालगाड़ी से पहले छह अन्य ट्रेनें भी रंगापानी स्टेशन से गुजरीं और इन सभी ट्रेनों के ट्रेन चालकों ने सुरक्षा नियमों का पालन किया। जीएफसीजे कंटेनर मालगाड़ी से टक्कर होने के समय कंचनजंघा एक्सप्रेस ट्रेन लाल सिग्नल से पहले रूक गयी थी।

सूत्रों के मुताबिक स्वचालित सिग्नलिंग की विफलता के दौरान ट्रेन की आवाजाही हो रही थी। ऐसे मामलों में ट्रेन को प्रत्येक सिग्नल के नीचे दिन में 01 मिनट और रात में 02 मिनट के लिए रोका जाता है। इसके बाद ट्रेन बहुत सावधानी बरतते हुए अगले स्टॉप सिग्नल की ओर आगे बढ़ सकती है। अच्छी दृश्यता के मामले में ट्रेन की गति 15 किलोमीटर प्रति घंटा और खराब दृश्यता के मामले में 10 किमी प्रति घंटा होना चाहिए, ताकि किसी भी अवरोध से पहले ट्रेन रुक सके। सूत्रों ने बताया कि इस मामले में ऐसा लगता है कि जीएफसीजे कंटेनर मालगाड़ी के लोको पायलट (ट्रेन चालक) ने लाल सिग्नल से पहले रुकने की उपरोक्त 02 शर्तों और 15 किमी प्रति घंटे की गति सीमा का पालन नहीं किया और बहुत अधिक गति से आगे बढ़ रहा था। सूत्रों के अनुसार संयोग से जीएफसीजे कंटेनर मालगाड़ी से पहले 06 अन्य ट्रेनें भी रंगापानी स्टेशन से गुजरीं और इन सभी ट्रेनों के ट्रेन चालकों ने उपरोक्त सुरक्षा नियमों का पालन किया। जिस समय जीएफसीजे कंटेनर मालगाड़ी से कंचनजंघा एक्सप्रेस ट्रेन की टक्कर हुयी थी, उस समय कंचनजंघा एक्सप्रेस भी लाल सिग्नल से पहले रुक गई थी।

गौरतलब है कि स्वचालित सिग्नलिंग को रेलवे द्वारा आम तौर पर उच्च यातायात घनत्व वाले डबल/मल्टीपल लाइन सेक्शन पर लगाया जाता है, ताकि कम से कम देरी में अधिक संख्या में ट्रेनें गुजर सकें। पारंपरिक निरपेक्ष सिग्नलिंग प्रणाली में सिग्नल केवल स्टेशनों पर प्रदान किए जाते हैं, जो आम तौर पर लगभग 08 से 10 किमी दूर स्थित होते हैं। वहीं, स्वचालित सिग्नलिंग प्रणाली हर 01 किमी पर सिग्नल प्रदान करती है। मुंबई उपनगरीय प्रणाली स्वचालित सिग्नलिंग का एक प्रमुख उदाहरण है, जहां बड़ी संख्या में ट्रेन सेवाएं दैनिक आधार पर संचालित होती हैं। भारतीय रेलवे पर बढ़ते यातायात घनत्व के मद्देनजर कई मार्गों पर स्वचालित सिग्नलिंग का प्रसार किया जा रहा है।

गौरतलब है कि स्वचालित सिग्नलिंग के मामले में ट्रेनों को कम दूरी के अंतराल पर संचालित किया जाता है, इसलिए रेलवे के सामान्य और सहायक नियमों (जीएंडएसआर) में स्वचालित सिग्नलिंग की विफलता के मामले में अपनाई जाने वाली मानक प्रक्रिया का प्रावधान है। विफलता की स्थिति में स्वचालित सिग्नल 'सुरक्षित रूप से विफल' हो जाता है, यानी प्रकाश पहलू लाल (यानी स्टॉप) पहलू को इंगित करता है। ऐसे मामलों में जीएंडएसआर के प्रावधान लोको पायलट (ट्रेन चालक) को दिन में 01 मिनट और रात में 02 मिनट सिग्नल के नीचे रुकने के बाद ही ऐसे सिग्नल को पार करने की अनुमति देते हैं।

नीट मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त, एनटीए और केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली । आरएनएस

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नीट में कथित पेपर लीक और गड़बड़ी से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी और केंद्र को कड़ी फटकार लगाई। शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा कि किसी की ओर से थोड़ी सी भी लापरवाही से पूरी तरह निपटा जाना चाहिए। नीट मामले में अमूल्य विजय पिनापति और नितिन विजय की ओर से याचिका दायर की गई है। याचिकाओं में नीट के पेपर लीक होने की जांच करने की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में 8 जुलाई को सुनवाई करेगा।

वहीं, शीर्ष अदालत ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) और केंद्र से दो सप्ताह में जवाब तलब किया है। नितिन विजय की ओर पेश वकील ने कहा कि ऐसे परीक्षा होगी तो कैसे डॉक्टर बनेंगे, भगवान ही मालिक है। इस पर एनटीए ने आपत्ति जताते हुए कहा हमें जवाब देने दीजिए। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि एनटीए अपनी गलती ग्रेस मार्क में मान चुका है। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और एनटीए से दो सप्ताह में जवाब तलब किया है। सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए और केंद्र से जवाब देने का निर्देश दिया। उसने कहा कि हम याचिकाकर्ता के मुताबिक आज ही आदेश नहीं दे सकते। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और एनटीए से कहा कि अगर किसी की ओर से 0.001 फीसदी भी लापरवाही हुई है, तो उससे पूरी तरह निपटा जाना चाहिए।

दिल्ली जल संकट : अब वीआईपी इलाकों में एक ही टाइम मिलेगा पानी, वाटर सप्लाई को लेकर एनडीएमसी की एडवाइजरी

नई दिल्ली । आरएनएस

पानी के संकट ने राजधानी दिल्ली में रहने वालों का जीना मुहाल कर दिया है। राजधानी में लगातार जल संकट गहराता जा रहा है। जल संकट की वजह से दिल्ली सरकार ने पानी की आपूर्ति में भी भारी कटौती कर दी है, जिसकी वजह से लोगों की समस्याएं और भी अधिक बढ़ती चली जा रही है। इसी बीच एनडीएमसी ने वीआईपी इलाकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है।

राजधानी के कई इलाकों में जितने टैंकर से पानी का सप्लाई हो रहा था उसको भी अब आधा कर दिया गया है। इसका कारण टैंकर की कमी बताई जा रही है, जिसके कारण वाटर सप्लाई में परेशानी आ रही है। इसी बीच अब, लुटियंस जोन इलाके में भी पानी की कमी को लेकर अलर्ट जारी हुआ है। एनडीएमसी ने वाटर सप्लाई को लेकर अब एक एडवाइजरी जारी की है, जिसके मुताबिक दिल्ली के वीआईपी इलाकों में भी अब एक टाइम ही पानी आएगा। एनडीएमसी इलाके में 40 % पानी की कमी हो गई है। जानकारी के मुताबिक, जलबोर्ड से पूरा पानी नहीं मिल रहा है। दिल्ली में प्रति दिन पानी का उत्पादन हो रहा है। दिल्ली को हरदिन तकरीबन 1000 पानी की जरूरत है। साथ ही इलाकों में भी पानी की किल्लत है, यहां भी सिर्फ एक बार पानी आता है।

वहीं, चाणक्यपुरी इलाके के संजय कैंप में सुबह 6:00 बजे से लोग अपना सारा काम धाम छोडक़र पानी के लिए लाइन में लगते हैं और 8:00 बजे एक पानी का टैंकर आता है जिसके बाद पानी के लिए लोग टूट पड़ते हैं। ये लोग पानी के लिए एक-दूसरे से मारामारी करते हुए अपना-अपना पाइप टैंकर के अंदर डालने के लिए जूझते हैं और वह 5 मिनट में टैंकर खाली हो जाता है। इस दौरान किसी को पानी मिल पाता है तो किसी को निराशा हाथ लगती है। वहीं, दूसरा टैंकर शाम को 4:00 बजे आएगा, तब तक जिन्हें पानी नहीं मिला उनकी जिंदगी कैसे कटेगी यह महसूस किया जा सकता है।

लू से चार और गर्मी से बीमार छह लोगों की मौत

चित्रकूट । आरएनएस

जिले में लू व गर्मी से लगातार बीमार होने वालों की संख्या बढ़ रही है। मंगलवार को लू से चार व गर्मी से बीमार हुए छह लोगों की मौत हो गई।

लोढ़वारा गांव निवासी सुभाष द्विवेदी ने बताया कि उसके चाचा कमलेश उर्फ मुन्ना (56) सोमवार की दोपहर को खेत के पास टयूबवेल के लिए बिजली का खंभा लगवा रहे थे। बिजली कर्मचारियों के साथ वहीं बैठे थे। अचानक वहीं गिरकर बेहोश हो गए। जानकारी होते ही परिजन पहुंचे और उन्हें जिला अस्पताल लाये, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो चुकी थी। पत्नी सुशीला व चार पुत्रों को रो रोकर बुरा हाल है। भौंरी गांव के किरहापुरवा निवासी गायत्री देवी ने बताया कि उसके पति छविलाल यादव (47) सोमवार की सुबह बकरी चराने खेत की ओर गए थे। दोपहर तक वह घर नहीं लौटे तो खोजबीन की गई। एक सूनसान स्थान पर उन्हें बेहोश पाया गया। आननफानन उन्हें लेकर परिजन अस्पताल ला रहे थे लेकिन रास्ते में उनकी मौत हो गई। उनके एक पुत्र चार पुत्रियां हैं। दहिनी गांव के प्रधान देवनाथ ने बताया कि गया प्रसाद (60) सोमवार को भैंस चराने गये थे लेकिन शाम तक नहीं लौटे। परिजन ढूंढने पहुंचे तो एक स्थान पर बेहोश मिले अस्पताल लाने पर डॉक्टरों ने मृत होने की पुष्टि की। दो पुत्र हैं। मंगलवार को तीनों शव का पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया। भौरी गांव निवासी रोशनी ने बताया कि उसके पिता छविलाल यादव की लू लगने से मौत हो गई। सोमवार को पिता घर से बाजार करने के लिए निकले थे। इसी दौरान लू लगने से उनकी तबियत खराब हो गई। इसके बाद घर में उनकी मौत हो गई। थाना रैपुरा में जानकारी देने पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

गर्मी के चलते बुखार, पेटदर्द व उल्टी दस्त से पीड़ित छह मरीजों की मौत हो गई। सदर रोड कर्वी निवासी राजीव लखानी ने बताया कि दिनेश कुमार भोजवानी (42) को दो दिन से पेटदर्द व बुखार की शिकायत थी। सोमवार को उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। रात को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। रैपुरा के गुढउपुर निवासी गंगा प्रसाद (60) को तेज बुखार होने पर परिजन अस्पताल लाये। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। राजापुर के ओडकी निवासी रामनरेश ने बताया कि उसके पिता भइयालाल (80) की सोमवार को अचानक तबियत खराब हुई। पेटदर्द व उल्टी के बाद जिला अस्पताल लाये। इलाज के दौरान मौत हो गई। पहाड़ी के कुचारम निवासी विजय ने बताया कि उसके पिता देशराज (60) की बुखार व बदन दर्द होने पर जिला अस्पताल लाये। इलाज के दौरान मौत हो गई। पहाड़ी के इटौरा निवासी मसलुवा ने बताया कि उसके पिता भगवानदीन (80) की तीन दिन से बुखार के चलते तबियत खराब थी। सोमवार को अस्पताल लाते समय मौत हो गई।